वी.यू. के अंर्तगत ''किसानों एवं पशुपालकों के लिये पंचगव्य उत्पाद निर्माण'' हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन

जबलपुर। आज दिनांक 25 अक्टूबर 2019 को नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर में श्रद्वेय डॉ. प्रयागदत्त जुयाल, माननीय कुलपति जी के कुशल मार्गदर्शन में **''किसानों एवं पशुपालकों के लिये पंचगव्य उत्पाद निर्माण हेतु प्रशिक्षण''** एक दिवसीय कार्यशाला के आयोजन के मुख्य अतिथि श्री भरत यादव जी (IAS) जिलाध्यक्ष, जबलपुर, विशिष्ट अतिथि डॉ. जी. आर. राव जी, संचालक, उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर एवं श्री प्रभात दुबे जी, माननीय सदस्य, प्रबंधन मंडल, ने विश्वविद्यालय के संचालक अनुसंधान सेवायें के अंर्तगत संचालित **''पंचगव्य निर्माण इकाई''** का भ्रमण एवं संयुक्त पशुधन प्रक्षेत्र पर गौ–माता पूजन–अर्चन कर विभिन्न पंचगव्य उत्पादः गौमूत्र अर्क, मच्छर कुंडली, गौमत्र घनवटी, हवन टिकिया, गोबर गमला एवं संबंधित साहित्य सामग्री का अवलोकन किया। विश्वविद्यालय में हर्बल अनुसंधान की अनुशंसाओं के अनुसार पशु हर्बल औषधियाँः गौमूत्र घनवटी, एवं घावरोधक मलहम, (घाव के उपचार) का भी निरीक्षण किया।

कुलपति सभागार में मुख्य अतिथि माननीय श्री भरत यादव, जिलाध्यक्ष एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. जी. आर. राव, संचालक, उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान जबलपुर का स्वागत माननीय कुलपति जी द्वारा पुष्प गुच्छ, शाल एवं श्रीफल भेंट कर किया गया। श्री प्रभात दुबे जी, माननीय सदस्य, प्रबंधन मंडल का स्वागत डॉ. जे.के. भारद्वाज, संचालक प्रक्षेत्र द्वारा पुष्प गुच्छ, शाल एवं श्रीफल

द्वारा किया गया। माननीय कुलपति जी का स्वागत डॉ. यश पाल साहनी, संचालक अनुसंधान सेवायें, द्वारा पुष्प गुच्छ भेंट कर किया गया। इस अवसर पर उपस्थित 25 कृषकों व पशुपालकों एवं मातृ शक्ति ने अपना–अपना परिचय दिया। कार्यक्रम की श्रंखला में पंचगव्य उत्पाद निर्माण इकाई पर आधारित विडियो प्रदर्शन किया गया। उद्‌बोधन की श्रंखला में सर्वप्रथम विशिष्ट अतिथि श्री प्रभात दुबे जी ने वि. वि. में सचालित शैक्षणिक, अनुसंधान, विस्तार एवं पंचगव्य उत्पाद निर्माण इकाई कार्यों की भूरि–भूरि प्रशंसा करते हुये जोर दिया कि नवीनतम तकनीकी जानकारियों प्रचार प्रसार के माध्यम से कृषकों की समृद्धि एवं सशक्तीकरण प्रशिक्षण व कार्यशाला के द्वारा फलीभूत होगा। विशिष्ट अतिथि डॉ. राव जी ने उद्‌बोधित करते हुये कहा कि पंचगव्य उत्पादों के प्रदाय श्रंखला का होना आवाश्यक है। मुख्य अतिथि श्री भरत यादव जी, जिलाध्यक्ष, जबलपुर ने उद्‌बोधित करते हुये प्रशिक्षण, कार्यशाला व कृषक भ्रमण कार्यक्रमों से ज्ञानवर्धक जानकारियों से अवगत होंगे। साथ ही आपने कहा कि पंचगव्य उत्पाद आमदनी का स्त्रोत है, निकट भविष्य में जिले के अंर्तगत विकासखण्ड कुंडम में गौ–शाला स्थापित होने जा रही है, एवं प्रोडूयूसर कंपनी के माध्यम से प्रदाय एवं बिक्री हेतु बाजार–हाट की श्रंखला तैयार किया जाना जरूरी है। पंचगव्य उत्पाद निर्माण इकाईयों में महिला स्व–सहायता समूहों की भी महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है, जिसके माध्यम से इसका सफलतापूर्वक संचालन संभव है।

माननीय डॉ. प्रयागदत्त जुयाल, कुलपति जी ने अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन के दौरान कहा कि गौ शालाओं के साथ–साथ पंचगव्य इकाई स्थापना, वि.वि. के विषय वस्तु विशेषज्ञों के माध्यम से स्थापित कर, अंगीकृत करावें। गौ आधारित खेती, प्रकृतिक खेती, समेकित कृषि प्रणाली पद्धति को अपनाते हुये कृषक भाई अंगीकृत कराने पर जोर दिया। वि.वि. से कृषकों के द्वार तकनीकीयों को प्रचार–प्रसार के माध्यम से पहुँचाना वि.वि. की अवधारणा है।

इस पावन अवसर पर प्रगतिशील कृषक श्री अशोक पटेल, ग्रामः बनाड़ा, तहसील– सिवनी मालवा, जिलाः होशंगाबाद एवं श्री शांतनु गांगुली, रिलायबल बायोटेक्नोलॉजी ने अपने–अपने अनुभव एवं विचार साझा किये।

इस अवसर पर वि.वि. परिवार के डॉ. एस.एन.एस. परमार, अधिष्ठाता संकाय, डॉ. वाय.पी. साहनी, संचालक अनुसंधान सेवायें, डॉ. जे.के. भारद्वाज, संचालक प्रक्षेत्र, डॉ. सुनील नायक, संचालक विस्तार शिक्षा, डॉ. राजेश शर्मा, संचालक छात्र कल्याण अधिष्ठाता/स्टेट ऑफिसर डॉ. एस.के. महाजन, अधिष्ठाता, मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय एवं डॉ. ए.पी. सिंह, जैव प्रौद्योगिक केन्द्र की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अमिता तिवारी ने एवं आभार प्रदर्शन डॉ. अनिल कुमार गौर ने किया।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर (म.प.)